**विद्या - भवन बालिका विद्यापीठ, लखीसराय**

**वर्ग - प्रथम विषय - हिंदी**

**एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित**

**दिनांक - 18 - 09- 2021**

**पाठ - 17**

**खरगोश की पुस्तक**

**सुप्रभात बच्चों ,**

**आज की कक्षा में आपको खरगोश की पुस्तक कहानी का अध्ययन करना है जो इस प्रकार है-**

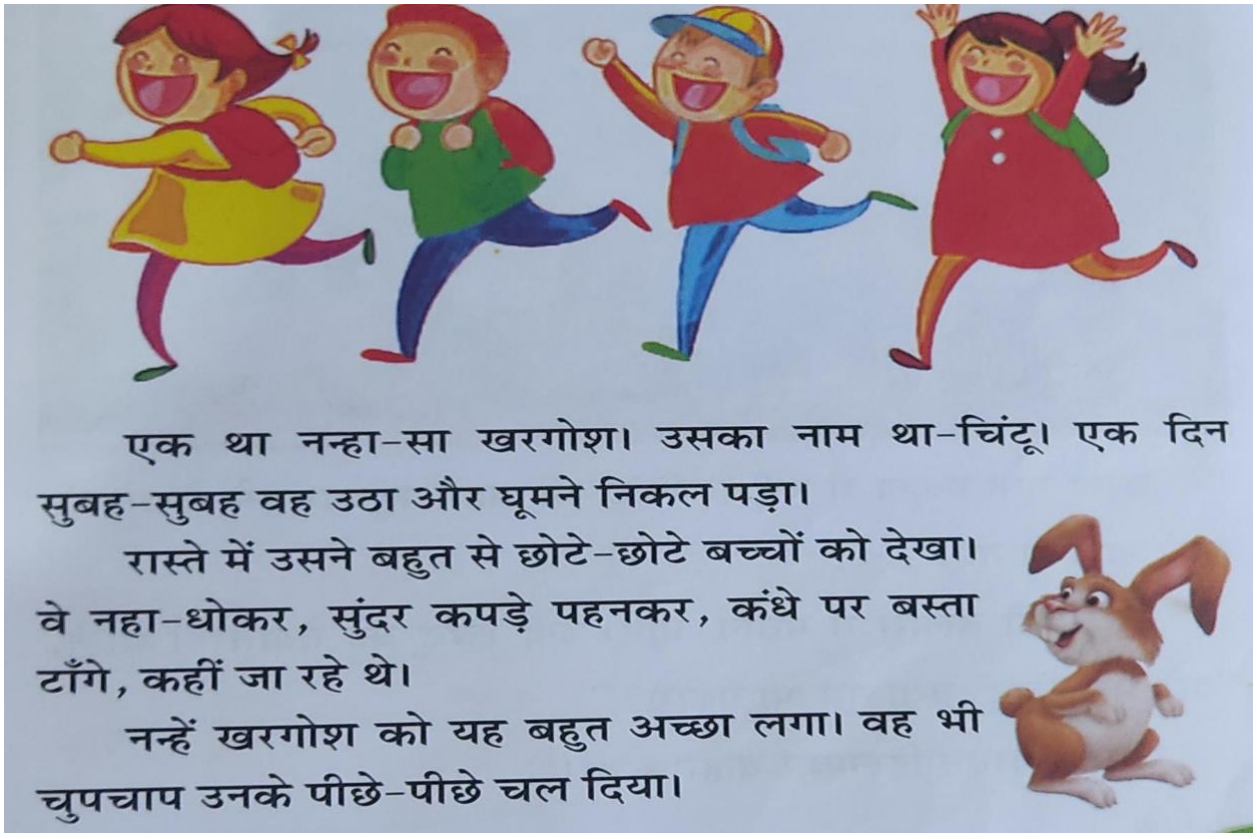

एक था नन्हा-सा खरगोश। उसका नाम था-चिंटू। एक दिन सुबह-सुबह वह उठा और घूमने निकल पड़ा।

रास्ते में उसने बहुत से छोटे-छोटे बच्चों को देखा। वे नहा-धोकर, सुंदर कपड़े पहनकर, कंधे पर बस्ता टाँगे, कहीं जा रहे थे।

नन्हें खरगोश को यह बहुत अच्छा लगा। वह भी चुपचाप उनके पीछे-पीछे चल दिया।

बच्चे एक स्कूल में पहुँचे। चिंटू भी वहाँ पहुँचा। उसे देखते ही बच्चे खुश हो गए।

टीचर जी क्लास में पढ़ाने आए। उन्हें चिंटू को देखते ही बोले, ''अरे भाई चिंटू, क्या तुम भी पढ़ोगे?''

चिंटू ने गरदन हिलाकर कहा, ''हाँ!''

टीचर जी ने एक कुरसी पर चिंटू को बैठाया। उसे रंग-बिरंगे चित्रों वाली सुंदर-सी पुस्तक दी।

चिंटू बड़े मजे से पुस्तक में बने हाथी, शेर, भालू और लोमड़ी आदि के चित्रों को देखता रहा। बच्चों की छुट्टी हुई तो खरगोश फुदकता हुआ घर की ओर चल दिया।

जंगल में जाकर नन्हें चिंटू ने रंग-बिरंगे चित्रों वाली पुस्तक सबको दिखाई। हाथी, शेर, भालू लोमड़ी और मोर सबने अपने-अपने चित्र देखे।

सब खुशी से उछलने लगे।

*–चंद्र प्रकाश*

शिक्षण संकेत

*पढ़ो और पढ़ाओ, जीवन में कुछ कर दिखाओ।*

**शब्दार्थ**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| खुश | – | प्रसन्न | पुस्तक | – | किताब |
| चित्र | – | तस्वीर | चुपचाप | – | शांत |
| चेहरा | – | मुख, मुँह | | | |

**गृहकार्य :-**

**दिए , गए अध्ययन सामग्री को** पूरे मनोयोग से पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें-

********

**ज्योति**